पत्रावली दिनांक ---------- को पेश हो।

4.12.19	पत्रावली पेश। प्रार्थी एवं प्रार्थी अधिवक्ता अनुपस्थित। एक एक तीन बार आवाज लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं हुआ। इससे यह प्रतीत होता है की प्रार्थी एवं प्रार्थी अधिवक्ता प्रार्थना पत्र को लेकर गंभीर नहीं है। अतः पत्रावली अदम पैरवी अदम हाजरी मे इसी स्तर पर खारीज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर होकर नम्बर से कमता।

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhupendra Kumar Yadav
Date: 2019.12.12 11:57:12 IST
Reason: SelfAttested